Edit with WPS Office

विद्या- भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी, वर्ग-पंचम, नीतू कुमारी, दिनांक-15-07-2020

पाठ- 9

अहिंसा और प्रेम

(N.C.E.R.T पर आधारित)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने अहिंसा और प्रेम कहानी अध्ययन किए। हमें विश्वास है कि आप इस कहानी को पूरे मनोयोग से पढ़े होंगे। आज आपको उसी कहानी का सारांश जाना है। जोइस प्रकार है:-

सारांश

एक जंगल में अंगुलिमाल डाकू रहता था। वाह बहुत ही अत्याचारी डाकू था। एक बार महात्मा बुध मगध की राजधानी राजगीर यह चलकर श्रावस्ती पहुंचे । श्रावस्ती कौशल की राजधानी थी। वर्तमान अयोध्या के आस-पास का परदेस उस समय कौशल कहलाता था। श्रावस्तीपहुंचने पर महात्मा बुद्ध ने राजा को बड़ा व्याकुल पाया।राजा को पूछने के बाद पता चला कि अंगुलिमाल डाकू से मेरी प्रजा बहुत त्रस्त है। उंगली माल बड़ा भयंकर डाकू था। उसके अत्याचार से प्रजा त्राहि-त्राहि कर रही थी। 1 दिन महात्मा बुध उसी रास्ते से गुजर रहे थे।की पहरेदार ने उनको रुक जाने के लिए बोला, लेकिन वह जानता था कि भूत जैसे महात्मा को कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता था। लेकिन वह अपना कर्तव्य समझकर बुद्ध के चरण बोला महाराज इस मार्ग पर भयंकर डाकू रहता है। अंगुलिमाल डाकू से आपको प्राणों का खतरा है। महात्मा बुध मुस्कुराए। और उसने अंगुलिमाल से कहा देखो तुमने यह सब काम करना बंद कर दो मारकाट का जो काम करता जा रहा है इनसे कब छुट्टी लेगा? बोल कब ठहरेगा तू? वह डाकू जिसने डर कभी नहीं जाना था। जिससे सारी दुनिया कांपती थी। आज नि:सस्त्र महात्मा के तेज से कांप रहा था। सहसा बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा।

और वह अंगुलिमाल डाकू हिंसा का जीवन त्याग कर महात्मा बुध का शिष्य बन गया।

कल की कक्षा में आपको इसी पाठ का प्रश्नावली हल करना है।

इस कहानी से हमें ऐसी प्रेरणा मिलती है ,कि हमें हमेशा सत्य की राह पर चलना चाहिए।

गृह कार्य:---

बच्चों दी गई अध्ययन -सामग्री कोअपनी उत्तर पुस्तिका में सुंदर -सुंदर अक्षरों में लिखे। तथा समझने का प्रयास करें।

धन्यवाद